



MS – 141

~~16~~ - 16 -

IV Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, May/June 2014
(Semester (2010 – 11 and Onwards (F+R) Scheme)

LANGUAGE HINDI – IV

Hindi Upanyas, Nibandh Aur Translation

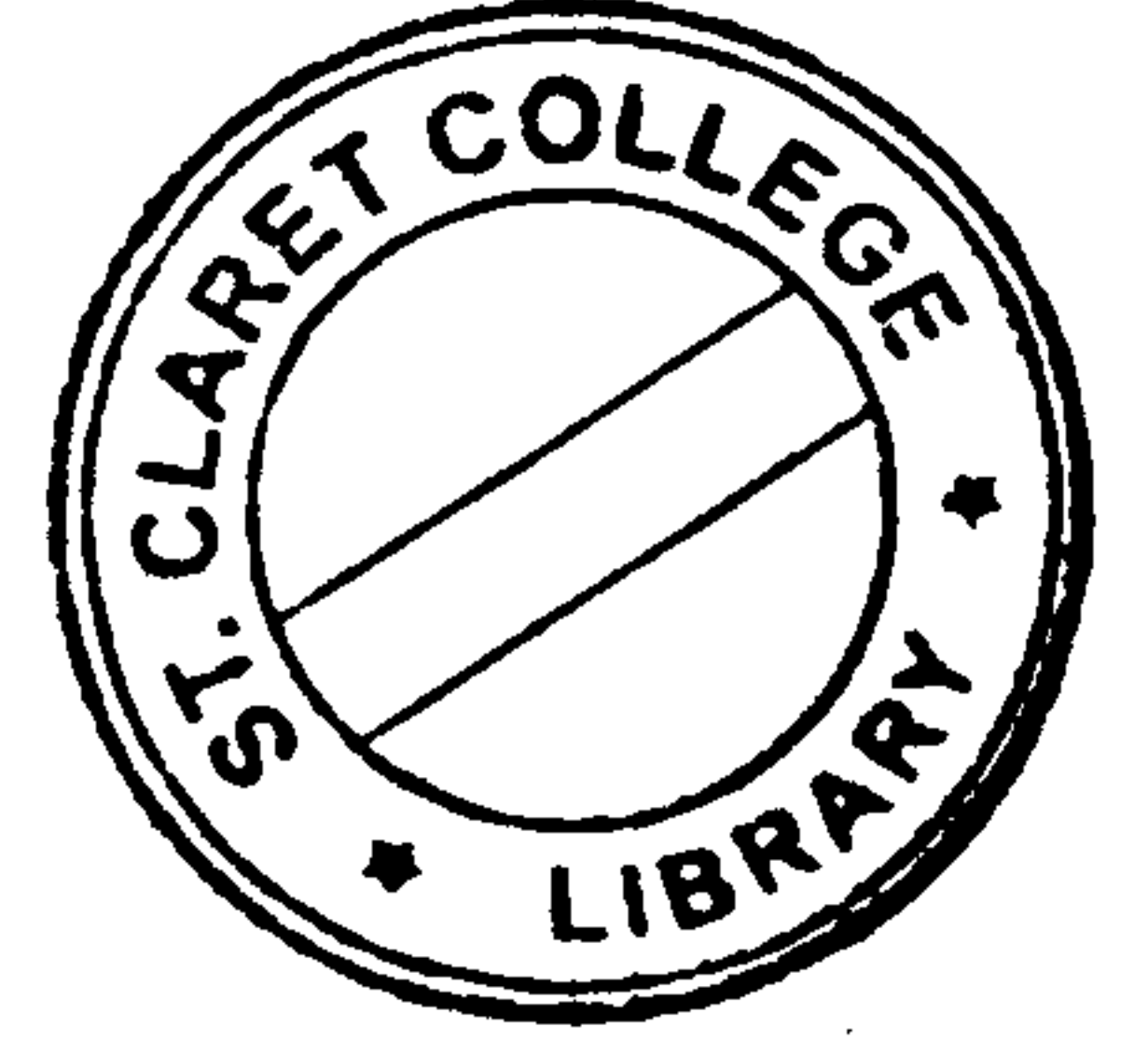
Time : 3 Hours

Max. Marks : 90/100

- Instructions :** 1) *V question compulsory for 2012 – 13 and onwards batches.*
2) *100 marks for 2012 – 13 and onwards batches.*
3) *90 marks for repeaters students prior to 2012 – 13.*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए : (1×10=10)

- 1) विश्वामित्र और अप्सरा मेनका की सन्तान कौन है ?
- 2) अप्सरा मेनका को कुछ समय के लिए नारी शरीर धारण कर मृत्युलोक में रहने का आदेश किसने दिया ?
- 3) महर्षि कण्व का आश्रम किस नदी के तट पर था ?
- 4) हस्तिनापुर का महाप्रतापी राजा कौन है ?
- 5) प्रियंवदा कितने वर्ष की थी जब उसकी माता का देहान्त हुआ ?
- 6) शारंगरव की पत्नी कौन है ?
- 7) शकुन्तला के उपचार के लिए किस वैद्य को बुलाया गया ?
- 8) शारंगरव और कुमार शारद्वत आश्रम में क्या कार्य करते थे ?
- 9) दुष्यन्त और शकुन्तला का विवाह किस प्रकार हुआ ?
- 10) महर्षि कश्यप ने शकुन्तला के पुत्र का नाम क्या रखा ?



II. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (15×2=30)

- 1) 'अप्सरा का शाप' उपन्यास का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- 2) दुष्यन्त का चरित्र - चित्रण कीजिए।
- 3) मेनका द्वारा विश्वामित्र के तप भंग पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.



III. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(10×3=30)

- 1) शकुन्तला और दुष्यन्त की प्रथम भेंट ।
- 2) माता गौतमी ।
- 3) विदूषक माधव्य ।
- 4) शकुन्तला का ताप ।

IV. किन्हीं दो पर निबन्ध लिखिए :

(10×2=20)

- 1) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ ।
- 2) पर्यावरण ।
- 3) विज्ञान – लाभ और हानि ।

Compulsory for 2012 – 13 and onwards batch.

V. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

10

Food, clothing and shelter are the primary necessities of life. We can go without clothes, but not without food. We know Gypsies wandering without shelter, but with robust health, because they eat well. We eat to live and not live to eat. Therefore we pay any price for food.

ಆಹಾರ, ಬಟ್ಟೆ ಮತ್ತು ವಸತಿ ಜೀವನದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳು. ನಾವು ಬಟ್ಟೆಯಿಲ್ಲದೆ ಜೀವಿಸಬಹುದು ಆದರೆ ಊಟವಿಲ್ಲದೆ ಜೀವಿಸಲಾರೆವು. ಅಲೆಮಾರಿಗಳು ವಸತಿಯಿಲ್ಲದೆ ಅಲೆಯುವುದು ನಮಗೆ ಗೊತ್ತು. ಆದರೆ ಅವರು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತಿನ್ನುವುದರಿಂದ ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ನಾವು ಬದುಕಲು ತಿನ್ನುತ್ತೇವೆಯೇ ಹೊರತು ತಿನ್ನಲು ಬದುಕುವುದಿಲ್ಲ. ಹಾಗಾಗಿ ಆಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಎಷ್ಟಾದರೂ ಬೆಲೆ ತೆರಲು ಸಿದ್ಧರಿದ್ದೇವೆ.